Table of Contents

1. □□□□ □□ □□□□□
2. □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□
3. □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□
4. □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□
5. □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□
6. □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□
7. □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□

□□□□ □□ □□□□□

□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□
□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ ‘□

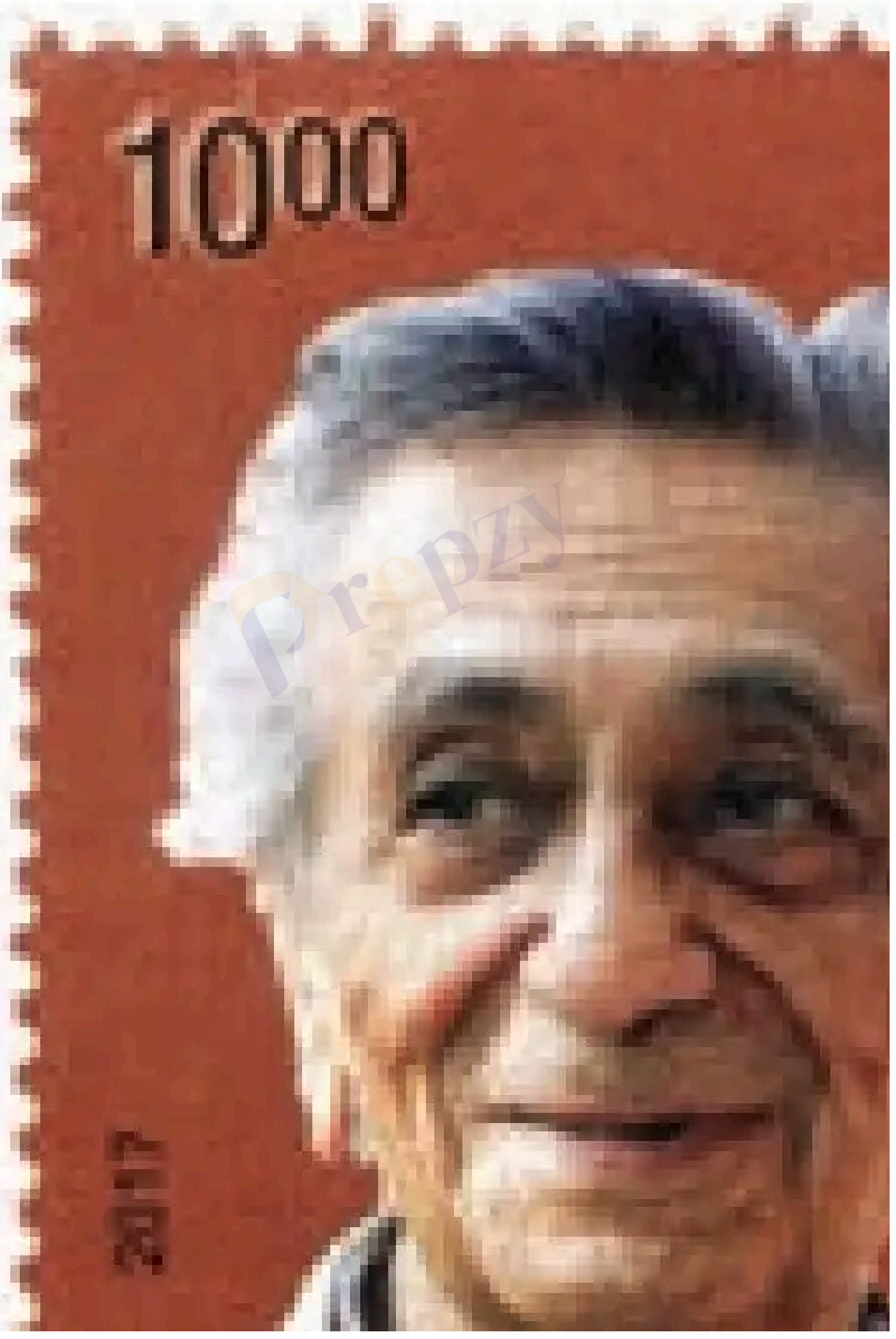
1000

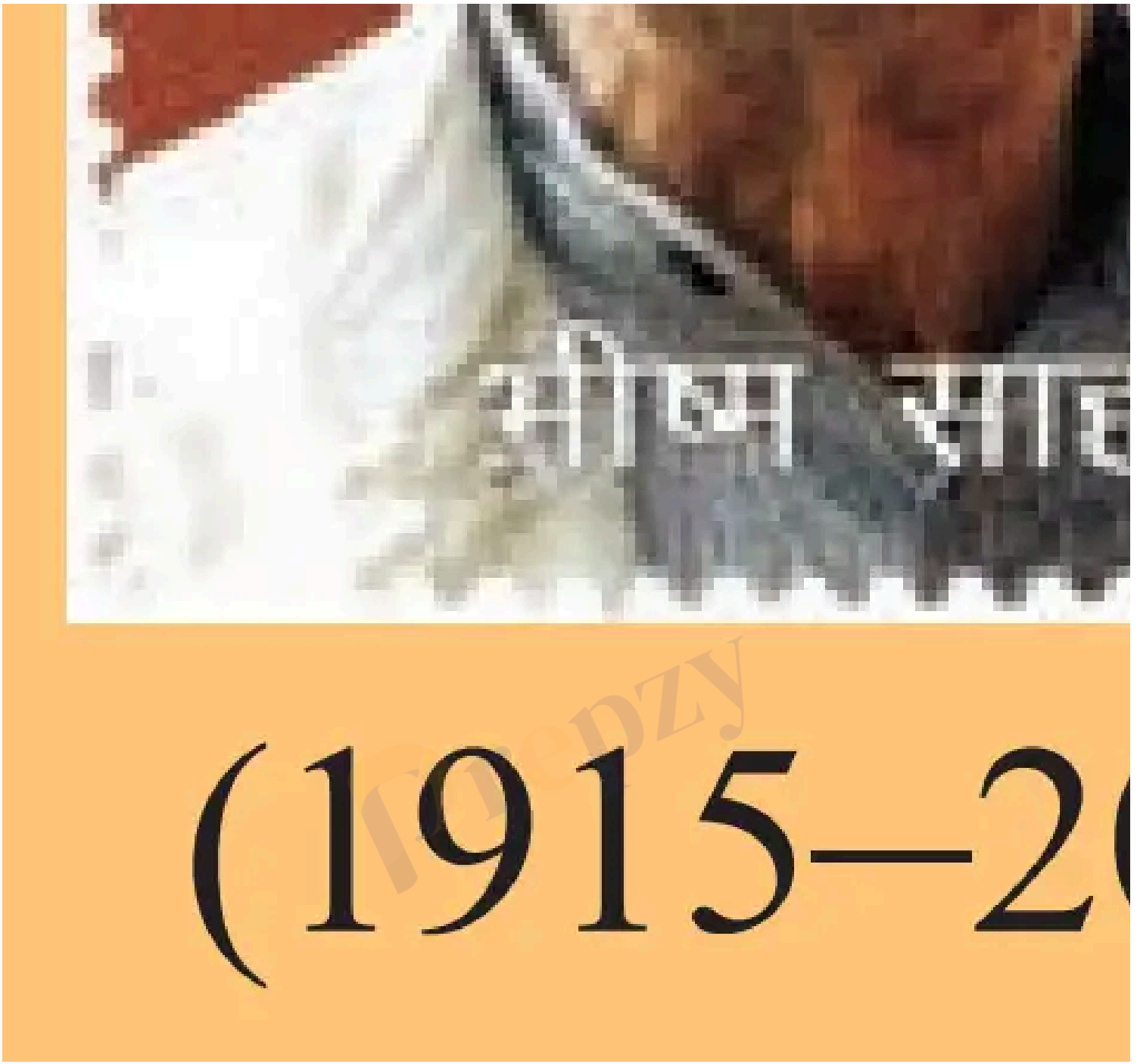

भीष्म साह
(1915–2

Prepzy

मुख्य बिंदु

- देश विभाजन और मानवीय मूल्यों का मार्मिक चित्रण
- साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता
- पद्म भूषण से सम्मानित
- बच्चों के लिए कहानियाँ

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

भीष्म साहनी की कहानियाँ मानवीय संवेदनाओं से भरपूर होती हैं, जो पाठकों को गहराई से प्रभावित करती हैं।

अभ्यास प्रश्न

- भीष्म साहनी के साहित्य में कौन-कौन से विषय प्रमुख हैं?
- भीष्म साहनी को पद्म भूषण किस लिए मिला?

उत्तर कुंजी

- देश विभाजन , मानवीय मूल्य , सामाजिक स□स्याएँ
- साहित्य में उनके बहुमुखी योगदान के लिए

शब्दावली

- बहुमुखी प्रतिभा : अनेक क्षेत्रों में दक्षता
- मार्मिक : भावुक , हृदयस्पर्शी
- साहित्य अकादमी पुरस्कार : साहित्य के क्षेत्र में सम्मान
- पद् □ भूषण : भारत सरकार का उच्च नागरिक सम्मान

दो गौरैया कहानी का सारांश

यह कहानी एक परिवार की है जिसमें माँ , पिताजी और कथाकार रहते हैं। घर में कई पक्षी , चूहे , छिपकलियाँ और अन्य जीव रहते हैं। दो गौरैया घ
हैं , पर गौरैया बार -बार लौट आती हैं। अंत में पिताजी हार मान जाते हैं और गौरैयों को रहने देते हैं। कहानी में परिवार और प्रकृति के बी

Prepzy





मुख्य बिंदु

- घर में पक्षियों और जीवों का निवास
- दो गौरैयों का घोंसला बनाना
- पिताजी की गौरैयों को निकालने की कोशिशें
- परिवार की सहनशीलता और अंत में स्वीकार्यता

Prepzy

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"दो गौरैया सीधी अंदर घुस आईं और बिना पूछे उड़-उड़कर मकान देखने लगीं।"

"पिताजी ने लाठी उठाई और गौरैयों पर हमला बोल दिया।"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न: पिताजी गौरैयों को क्यों निकालना चाहते थे?
उत्तर: पिताजी घर में शोर-शराबा और असुविधा के कारण गौरैयों को निकालना चाहते थे।

अभ्यास प्रश्न

- स्तर 1 – सरल: घर में कौन-कौन से जीव रहते हैं?
- स्तर 2 – मध्यम: पिताजी की गौरैयों के प्रति प्रतिक्रिया कैसी थी?
- स्तर 3 – कठिन: कहानी में गौरैयों का प्रतीकात्मक अर्थ क्या हो सकता है?

उत्तर कुंजी

- चूहे, गौरैया, चमगादड़, छिपकलियाँ आदि
- गुस्से में, बार-बार निकालने की कोशिश करते हैं

- प्रकृति के साथ सह -अस्तित्व , सहनशीलता का प्रतीक

शब्दावली

- घोंसला : पक्षियों का घर
- सहनशीलता : कठिनाइयों को सहने की क्ष □ता
- प्रतीकात् □कः किसी वस्तु या घटना का गहरा अर्थ

केंद्रीय भाव एवं विषय

कहानी का मुख्य भाव प्रकृति और मानव के बीच सह -अस्तित्व की आवश्यकता को दर्शाना है। यह सहनशीलता , प्रे □ और स□झदारी की शिक्षा देती है होते हैं , तो वे भी हमारे साथ शांति से रह सकते हैं।

Prepzy





Prepzy

मुख्य बिंदु

- प्रकृति और मानव का सह-अस्तित्व
- सहनशीलता और प्रेम
- जीवों के प्रति दया और समझदारी

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"अब तो ये नहीं उड़ेंगी। पहले इन्हें उड़ा देते, तो उड़ जातीं। अब तो इन्होंने यहाँ घोंसला बना लिया है।"

अभ्यास प्रश्न

- कहानी का मुख्य संदेश क्या है?
- गौरैयों के प्रति परिवार की सोच कैसे बदलती है?

उत्तर कुंजी

- प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और सहनशीलता
- शुरुआत में विरोध, अंत में स्वीकार्यता

शब्दावली

- दयालुता : दूसरों के प्रति करुणा
- समझदारी : बुद्धिमानी से काम लेना

पात्र एवं पात्र परिचय

कहानी के मुख्य पात्र हैं :

- कथाकार **:** कहानी का नायक , जो घर में रहता है और घटनाओं का वर्णन करता है।
- पिताजी **:** घर के मुखिया , जो गौरैयों को निकालने की कोशिश करते हैं।
- माँ **:** परिवार की सदस्य , जो गौरैयों के प्रति दयालु और समझदार हैं।
- दो गौरैया **:** जो घर में घोंसला बनाती हैं और कहानी का केंद्र हैं।

अभ्यास प्रश्न

- पिताजी का चरित्र कैसे है ?
- माँ की भूमिका क्या है ?

उत्तर कुंजी

- गुस्सैल , पर अंत में सहनशील
- दयालु , समझदार , परिवार को शांत रखने वाली

शब्दावली

- मुखिया : परिवार या समूह का नेता
- दयालु : करुणामय

अलंकार एवं काव्य सौंदर्य

कहानी में व्यंग्य और रूपक अलंकार प्रमुख हैं। व्यंग्य के माध्यम से पिताजी के व्यवहार की आलोचना होती है और रूपक के द्वारा गौरैयों

Prepzy



Prepzy





□□□□□ □□□□□

- □□□□□□□□: □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□
- □□□□: □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□

□□□□□ □□□□□□ / □□□□□□

"□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□, ‘□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□, □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□!’"

□□□□□□ □□□□□□

- □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□?
- □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□?

□□□□□ □□□□□

- □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□
- □□□□□□□ □□ □□□ □□-□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□

□□□□□□□□

- □□□□□□□: □□□ □□□□□
- □□□□: □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

"[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]" – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

"[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], '[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]!'" – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Prepzy





अभ्यास प्रश्न

- इन उद्धरणों से कहानी का कौन सा भाव स्पष्ट होता है , ?

उत्तर कुंजी

- सहनशीलता , प्रकृति के साथ मेलजोल

शब्दावली

- स्वीकार्यता : किसी चीज़ को मान लेना
- विडंबना : विरोधाभास या व्यंग्यपूर्ण स्थिति

सारांश एवं अंति विचा

"दो गौरैया " कहानी में भीष् साहनी ने प्रकृति और मानव के बीच सह -अस्तित्व की सुंदर छवि प्रस्तुत की है। कहानी में दिखाया गया है कि प् होता है , लेकिन अंत में सहनशीलता और प्रे से सब कुछ ांतिपूर्ण हो जाता है। यह कहानी हमें सहनशीलता , दया और प्रकृति के प्रति सम्मान

Prepzy

मुख्य बिंदु

- प्रकृति और मानव का मेल
- सहनशीलता और प्रेम की शिक्षा
- परिवार में समझदारी और सहनशीलता का विकास

अभ्यास प्रश्न

- कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
- परिवार की सोच में क्या बदलाव आता है?

उत्तर कुंजी

- प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और सहनशीलता
- शुरुआत में विरोध, अंत में प्रेम और स्वीकार्यता

शब्दावली

- सह-अस्तित्व : एक साथ शांति से रहना
- समझदारी : बुद्धिमानी से काम लेना

Prepzy